वेटलैंड बहाली के लिए वैदिक दृष्टिकोण' पर आभासी व्याख्यान

पटना, 12 मार्च: 12 मार्च, 2021 को बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से ADRI के पर्यावरण, ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन केंद्र (CEECC) द्वारा 'वैदिक दृष्टिकोण से वेटलैंड बहाली के लिए एक आभासी व्याख्यान' का आयोजन किया गया था। व्याख्यान की अध्यक्षता डॉ. अशोक कुमार घोष, अध्यक्ष, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने की थी। व्याख्यान के वक्ता श्री मधुकर स्वायंभु, संस्थापक, कौनोमिक्स प्राइवेट लिमिटेड थे। बिहार राज्य वेटलैंड प्राधिकरण और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार के प्रमुख अधिकारी भी अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

आभासी व्याख्यान में, डॉ. घोष ने वक्ता, अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बिहार में वेटलैंड्स की स्थिति और कैसे वे तेज गति से कम हो रहे है, के बारे में उल्लेख किया। उन्होंने प्रतिकूल भविष्य के परिदृश्य के बारे में भी आगाह किया, अगर उचित शमन और अनुकूलन के तरीकों को लागू नहीं किया जाता है। श्री स्वायंभु ने आर्द्रभूमि के साथ जल निकायों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक प्रक्रियाओं के रखरखाव में आर्द्रभूमि की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने हर्बल उपचार के बारे में भी बताया जिसके द्वारा पतित आर्द्रभूमि का कायाकल्प किया जा सकता है। उन्होंने भारत में कई राज्यों में वैदिक उपचार के साथ वेटलैंड बहाली के कार्यान्वयन के अपने पिछले अनुभव को भी साझा किया। डॉ. घोष ने उनके प्रयासों की सराहना की और बिहार में एक पायलट कार्यान्वयन का स्वागत किया।